Topic 1 :– भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से भारत के प्रधानमंत्री को किया गया सम्मानित।

भारत के प्रधानमंत्री को भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो' से सम्मानित किया गया। टेंड्रेलथांग, थिम्पू में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भूटान के राजा द्वारा भूटान के यह सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री मोदी पहले विदेशी नेता हैं जिन्हें भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान पुरस्कार प्रदान किया गया है। भूटान के राजा द्वारा दिसंबर 2021 में ताशीछोडजोंग, थिम्पू में आयोजित भूटान के 114वें राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान ये पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की थी।

ये पुरस्कार भारत-भूटान की मित्रता को सुदृढ़ करने में प्रधानमंत्री मोदी के योगदान और उनके जन केंद्रित नेतृत्व को मान्यता देता है। इसके प्रशस्ति पत्र में उल्लेख है कि ये पुरस्कार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक वैश्विक शक्ति के रूप में भारत के उभार का सम्मान करता है और भारत के साथ भूटान के विशेष बंधन को सेलिब्रेट करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व ने भारत को परिवर्तन के पथ पर अग्रसर किया है और भारत का नैतिक आधिपत्य और वैश्विक कद बढ़ा है।

प्रधान मंत्री द्वारा यह पुरस्कार भारत की 1.4 अरब जनसंख्या को समर्पित लिया।

Topic 2 :– कोयला आयात की हिस्सेदारी में कमी

देश के कुल कोयला खपत में आयातित कोयला की हिस्सेदारी में कमी दर्ज की गयी है।

अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के दौरान कोयला आयात की हिस्सेदारी घटकर 21% रह गई है, यह पिछले वर्ष की इसी अवधि के लिए 22.48% थी। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में, अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के दौरान 19.36 मिलियन टन (एमटी) के साथ ताप विद्युत संयंत्रों द्वारा मिश्रण के लिए आयात किये जाने वाले कोयले की मात्रा में 36.69% की कमी आयी है।

मिश्रण के लिए आयातित कोयले में यह कमी, घरेलू कोयले के उपयोग का संकेत देती है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हुई है। भारत मुख्य रूप से दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया से ताप विद्युत कोयला आयात करता है और पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 के दौरान इन देशों की औसत कीमत में क्रमशः लगभग 54% और 38% की कमी आयी है।

ResultMitra

Topic 3 :– ISRO के रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल की सफल

ISRO के रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल की सफल

चर्चा में क्यों :– भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी (इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन) ने 22 मार्च को अपने रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल (RLV LEX-02) की लैंडिंग कराने में सफलता प्राप्त की । रीयूजेबल रॉकेट का उद्देश स्पेसक्राफ्ट को लॉन्च करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले अल्ट्रा-एक्सपेंसिव रॉकेट बूस्टर को रिकवर करना हैं जिससे उसका प्रयोग फिर से किया जा सके ।

देश में स्वदेशी रूप से निर्मित स्पेस शटल का नाम 'पुष्पक' विमान रखा गया है। इसे चित्रदुर्ग (कर्नाटक) के एरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में हेलीकॉप्टर से 4.5 किमी की ऊंचाई तक ले जाया गया और रनवे पर ऑटोनॉमस लैंडिंग के लिए 4.5 किमी की ऊंचाई से छोड़ दिया गया। इसरो इससे पहले भी रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल (RLV) के इस प्रकार के प्रयोग कर चुका है जिसके तहत वर्ष g 2016 और 2023 में लैंडिंग एक्सपेरीमेंट किए गए थे।
इस बार जिस पुष्पक विमान का प्रयोग किया गया बह पिछले बार के RLV-TD से करीब 1.6 गुना बड़ा है।

लाभ :– ISRO के अनुसार इस टेक्नोलॉजी की मदद से रॉकेट लॉन्चिंग अब पहले से सस्ती हो जाएगी । अंतरिक्ष में उपकरण पहुंचाने में अब लागत पहले से काफी कम आएगी।

रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल (RLV) :– इसको सबसे पहले बनाने का प्रयास स्पेसएक्स (एलन मस्क की कंपनी) ने 2011 में किया । स्पेसएक्स ने 2015 में फॉल्कन 9 रॉकेट konतैयार किया जो रियूजेबल था।

Topic 4 :– हैती में ऑपरेशन 'इंद्रावती'

Result Mitra

चर्चा में क्यों :–। 29 फरवरी को हैती में क्रिमिनल गैंग के लोगों ने कई सरकारी संस्थानों में हमले किए जिनमे 2 जेलों पर हमले भी सामिल थे , और 4 हजार कैदियों को फरार करा दिया। जिस कारण इस कैरेबियाई देश हैती में मार्च की शुरुआत से ही हिंसा हो रही है।

हिंसा का कारण :– हैती में हिंसा प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के केन्या यात्रा के बाद शुरू हुई। प्रधानमंत्री केन्याई नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल (मल्टीनेशनल सिक्योरिटी फोर्स) की हैती में तैनाती को लेकर चर्चा करने के लिए नैरोबी गए हैं। जिस कारण प्रधानमंत्री को पद से हटाने के लिए हैती के सभी क्रिमिनल गैंग एकजुट हो गए और हिंसा प्रारंभ कर दी। 12 मार्च को हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है

UN के मुताबिक, 80% हैती पर क्रिमिनल गैंग्स का कब्जा हो चुका है। बाकी के इलाकों में हिंसा जारी है। 30 हजार से ज्यादा लोग घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं।

Topic 5 :– डब्ल्यूडब्ल्यूएफ का अर्थ आवर

क्या है अर्थ आवर :· यह एक वार्षिक वैश्विक प्रोग्राम है जिसका संबंध जलवायु परिवर्तन से है इसके द्वारा लोगों में जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूकता पैदा करने उसको बढ़ाने और ऊर्जा संरक्षण के प्रति लोगों को जाग्रत करने के लिए मनाया जाता है ।

कब होता है आयोजन :– प्रति वर्ष मार्च के आखिरी शनिवार को । 2024 में 23 मार्च को रात 8:30 बजे से रात 9:30 बजे (IST) तक मनाया जाएगा। यह इस कार्यक्रम का 18व संस्करण है

विशेष :– इस प्रोग्राम में पूरी दुनिया के लोगों से एक घंटे के लिए (8:30 बजे से रात 9:30 बजे (IST)) बिजली और इससे संबंधित अन्य उपकरणों को बंद करने का आग्रह किया जाता है ।

किसके द्वारा शुरू किया गया :– विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) द्वारा

डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया ने देश भर में 13 साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया, जिसमें 2,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अर्थ आवर का इतिहास – वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) ने 2007 में, ऑस्ट्रेलिया और उसके सहयोगियों के साथ मिलकर शुरू किया था ।

Result Mitra

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) :– स्थापना ;– अप्रैल 1961 में WWF और IUCN ने 1976 में TRAFFIC का गठन किया ।

TRAFFIC :– यह एक वन्यजीव व्यापार निगरानी नेटवर्क है जिसका कार्य जंगली पौधों और जानवरों के व्यापार को रोककर प्रकृति के संरक्षण की सुरक्षा करना है।

WWF का लिविंग प्लैनेट अभियान :– इसको 1997 में शुरू किया गया ।

उद्देश्य :– एक नई दृष्टि के माध्यम से ग्रह की जैव विविधता को संरक्षित करना ।

Topic 6 :– शहीद दिवस

यह कारण है, मृत्यु नहीं, जो शहीद बनाता है।" - नेपोलियन बोनापार्ट
"जिन लोगों ने वास्तव में इतिहास रचा है वे शहीद हैं।" - एलेस्टर क्रॉले

23 मार्च :–
23 मार्च 1931 को क्रांतिकारी भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को फांसी दी गई थी।

उन्होंने और उनके साथियों ने 8 अप्रैल, 1929 को "इंकलाब जिंदाबाद" का नारा पढ़ते हुए सेंट्रल लेजिस्लेटिव असेंबली पर बम फेंके। अंग्रेजों ने सेंट्रल असेंबली में बम फेंकने पर उन्हें फांसी की सजा सुनाई और भारतीयों के आक्रोश के डर के कारण तय तारीख से एक दिन पहले गुपचुप तरीके से तीनों को 23 मार्च, 1931 कोलाहौर जेल में फांसी दे दी और शवों का अंतिम संस्कार सतलज नदी के तट पर कर दिया ।

Result Mitra